संपादक के नोट

मसीह येषु में प्रियों हमारे पुनर्जीवित प्रभु का आशीष तुम सभी के साथ रहे। मेरे चहितों, हमें हमेशा हमारे सामने परमेश्वर के बुलावे को रखना हैं और लक्ष्य की दिशा में बढ़ना हैं हमें हमारा लक्ष्य तक पहुंचने से अंधकार के कोई भी शक्ति को हमें रोकने नहीं देना हैं। प्रेरित पौलुस फिलिप्पियों ३रू१४ में परमेश्वर के बुलाहट के बारे में क्या कहता है, – लक्ष्य की ओर दौड़ा जाता हूँ कि वह इनाम पाऊं जिसके लिए परमेश्वर ने मुझे मसीह येशु में ऊपर बुलाया है। २ तीमुथियुस ४रू१० – क्योंकि देमास ने इस संसार के मोह में पड़कर मुझे छोड़ दिया और थिस्सलुनिका को चला गया है। क्रैसकेंस तो गलातिया को और तीतुस दलमतिया को चला गया है। १ तीमुथियुस ६रू१० – क्योंकि धन का लोभ सब प्रकार की बुराइयों की जड़ है कुछ लोगों ने इसकी लालसा में विश्वास से भटक कर अपने आप को अनेक दुखों से छलनी बना डाला है।

परमेश्वर के बच्चों, इन बातों को छोड़ कर भागना और धर्म, भक्ति, विश्वास, प्रेम, धैर्य और नम्रता का पीछा करना। विश्वास की अच्छी कुश्ती लड़ो; अनन्त जीवन पर पकड़ रखना जो वह अपने ही समय में प्रकट करेगा। जो धन्य है और केवल राजाधिराज है, राजाओं का राजा और प्रभुओं का प्रभु।

कौन हम को मसीह के प्रेम से अलग करेगा? क्या क्लेश, या संकट, या सताव, या अकाल, या नंगाई, या जोखिम, या तलवार?

न ऊँचाई न गहराई, और न कोई सृजी हुई वस्तु हमें परमेश्वर के प्रेम से जो हमारे प्रभु येशु मसीह में है, अलग कर सकेगी।

शिमशोन, जो परमेश्वर का सेवक था, उसकी बुलाहट भूल गया था – हम उसकी आँसु भरे प्रार्थना को देखते है। न्यायियों १६रू२८ – तब शिमशोन ने यहोवा को पुकार कर कहा, ष्हे यहोवा परमेश्वर, मेरी सुधि ले और इस बार मुझे बल दे कि हे परमेश्वर मैं पलिश्तियों से अपनी दोनों आंखो का बदला एक ही बार में ले सकूं।ष

उसके प्रार्थना के अनुसार, उसी तरह से वह पलिश्तियों के साथ साथ मर गया। उसकी आँखें निकाल दिए गए, उसके हाथ जंजीरों में थे, उसका ठट्ठा किया गया था। लेकिन गहरे उसके दिल में, वह अभी भी परमेश्वर उसकी प्रार्थना का जवाब देगा, यह विश्वास करता था। दूसरी ओर, बुराई ने अपराध लाया होगा और वह खेदित हुआ होगा कि उसने परमेश्वर की बुलाहट को त्यागा। प्रभु के साथ एक होने के लिए, उसने प्रभु से माफ़ी माँगी

उसके अतीत के लिए और एक बार फिर उसे मज़बूत करने के लिए प्रार्थना की। अपने अतीत को देखकर और दुखी ना होना, हमारे पुनर्जीवित परमेश्वर में विश्वास रखो और शिमशोन ने जैसे प्रभु के साथ एकता के लिए प्रार्थना किया वैसे प्रार्थना करो। नीतिवचन २४रू१६ – क्योंकि धर्मी चाहे सात बार गिरे, फिर भी उठ खड़ा होगा; परन्तु दुष्ट लोग विपत्ति के समय ठोकर खाकर गिर पड़ते हैं।

हमारे प्रभु का हाथ हमेशा से तुम्हे उठाने के लिए बाहर फैला है। यशायाह ५२रू२ – हे बन्धुवा यरूशलेम, अपनी धूल झाड़कर उठ खड़ी हो। हे सिय्योन की बन्धुवा पुत्री, अपने गले की ज़ंजीर को उतार डाल।

तो प्यारों, परमेश्वर के हाथ पर भरोसा रखो, और विश्वास करो उसके बहुमूल्य रक्त में जो उसने तुम्हारे लिए बहाया है।

क्योंकि सभोपदेशक ७रू२० कहता है – निस्सन्देह पृथ्वी पर ऐसा कोई धर्मी व्यक्ति नहीं है जो निरन्तर भला ही करता रहता है, और कभी पाप नहीं करता।

दाऊद ने प्रभु को पुकारा भजन संहिता ५१रू५ – देख, मैं अधर्म के साथ उत्पन्न हुआ, और पाप के साथ अपनी माता के गर्भ में पड़ा।

पवित्र–शास्त्र हमें चेताता है कि क्योंकि कोई धर्मी नहीं है, अपने विवेक बुझाना नहीं पाप न करने के लिए। जब तुम्हारा पैर फिसल जाता है तो परमेश्वर की शक्ति तुम को बचा सकता है। भजन संहिता ९१रू१२ – वे तुझे हाथों–हाथ उठा लेंगे, ऐसा न हो कि तेरे पैर में पत्थर से ठेस लगे।

जो अपने पाप को छुपाता है वह समृद्ध नहीं होगा लेकिन जो कोई भी उन्हें कबूल करके उन्हें त्याग देता है वह दया पाएगा।

तो मेरे प्यारों, इस ईस्टर तुम अकेलापन महसूस नहीं करना, लेकिन हमारे पुनर्जीवित परमेश्वर की ओर देखो और उसे पुकारो, वह तुम्हारे निकट हमेशा है तुम्हारी प्रार्थना सुनने के लिए और तुम्हे छुड़ाने के लिए और तुम्हे आशिषित करने के लिए। यह ईस्टर तुम्हे और तुम्हारे परिवार में, प्यार, शांति और आनंद लाए। एक दूसरे के लिए प्रार्थना करो। परमेश्वर तुम्हे आशीष दें।

पास्टर सरोजा म.

परमेश्वर का आपार प्यार – एक ईस्टर उपहार

हम एक नज़र डालें क्रूस पर विश्वास के साथ और भरोसा करें कि येशु मसीह का पीड़ा दर्द, दुख और शरीर पूरी तरह से मेरे और तुम्हारे लिए तोड़ा गया। वह वास्तव में एक परमेश्वर है जो हमें बहुत ज़्यादा प्यार करता है। क्रूस पर सारे दुख और अपमान के बावजूद हम देखते हैं तुम्हारे और मेरे लिए येशु की इच्छा क्या है, वह अपने पिता परमेश्वर से क्या बात करता है और तुम्हारे और मेरे लिए उसके हृदय में क्या है। लूका २३रू३४ – परन्तु येशु ने कहा, ष्हे पिता, इन्हें क्षमा कर, क्योंकि ये नहीं जानते कि क्या कर रहे है।ष और उन्होंने चिट्ठियां डालकर उसके कपड़े आपस में बांट लिए।

येशु अपने पिता से कहता है, उस पूरे टूटे और झख्मी स्थिति में, रक्त उसके घाँव से बहते हुए, श्हे पिता, इन्हें क्षमा कर, क्योंकि ये नहीं जानते कि क्या कर रहे हैं।श यहां तक कि उस हालत में हमारे लिए येशु का हृदय केवल 'प्यार' से धड़क रहा था। वैज्ञानिकों और शोधकर्ताओं का कहना है कि येशु ने छह घंटे के लिए क्रूस पर पीड़ा सहा, हाँ, इन सभी छह घंटे वह अपने पिता परमेश्वर से हमारे लिए प्रार्थना कर रहा था , श्हे पिता, इन्हें क्षमा कर, क्योंकि ये नहीं जानते कि क्या कर रहे हैं।श यह इसलिए है क्योंकि वह तो हमें प्यार करता था, और वह आज भी हमें प्यार करता है। जब तक हम उसके पास नहीं आते, एक सच्चे अंतःकरण के साथ, हमें आज भी हमारे पापों से मुक्ति नहीं मिलेगा। २००० साल पहले, यहां तक कि उन लोगों ने भी जिन्होंने येशु मसीह को मारा, जिन लोगों ने उस पर थूका और उसे अपमानित किया, वें भी उसी रक्त द्वारा मुक्त किए गए, अर्थात कलवरी के क्रूस पर बहाया गया खून से। हम में से कोई कह नहीं सकता कि हम शुद्ध और निष्पाप हैं। हमें येशु के रक्त की ज़रूरत है हमें उद्धार दिलाने के लिए और हमारे पापों और अधर्म से हमें धोने के लिए। इसलिए, हम सुनें हमारे अंतःकरण की और हमारे दिल पर हाथ रखें और येशु ने क्या कहा उस पर मनन करें श्हे पिता, इन्हें क्षमा कर, क्योंकि ये नहीं जानते कि क्या कर रहे है।श जब हम उसे स्वीकार करते हैं और सच्चाई से उसके सामने आते हैं, हमारा परमेश्वर तैयार हो जाएगा हमें धोने और हमारे पापों से साफ़ करने के लिए, चाहे वह कितना भी गहरा लाल हो, किसी भी तरह का पाप हो, हमें हमारे पापों से छूट प्राप्त होगा और उसकी शुद्ध, अनमोल खून से धोए जाएँगे। येशु की आंतरिक गुणवत्ता, यानी उनकी क्षमा करने की पुख्तगी, उसकी चंगाई स्पर्श, बीमारी और बंधन के लिए, हम क्रूस पर भी इसी स्वभाव को

देखते हैं। पतरस येशु के इस गुणवत्ता के बारे में लिखता है १ पतरस २रू२३ में – उसने गाली सुनते हुए गाली नहीं दी, दुख सहते हुए धमकियां नहीं दीं, पर अपने आप को उसके हाथ सौंप दिया जो धार्मिकता से न्याय करता है। पतरस का कहना है कि जब येशु धिक्कारा गया था वह नहीं झिड़का और जब वह पीड़ित हुआ, उसने धमकी नहीं दी। जब येशु ने क्रूस उठाया उसने लोगों को धमकी नहीं दी यह कहते हुए कि श्रुको और देखो जब मैं तीन दिन के बाद फिर से जी उठूँगा, मै तुम्हें सजा दूंगा। श्नहीं, येशु ने किसी भी तरह से जो लोगों को धमकी नहीं दी। बल्कि वह निरंतर प्रार्थना करते रहा अपने पिता से, यह कहते हुए कि श्हे पिता, इन्हें क्षमा कर, क्योंकि ये नहीं जानते कि क्या कर रहे हैं।श येशु ने पूरे दिल से किसी भी कानाफूसी बिना क्रूस पर उसके जीवन का आत्मसमर्पण कर दिया, ताकि हमे बचा पाने के लिए और हम धर्मी बने उसकी मृत्यु से। हमारा परमेश्वर एक अच्छा परमेश्वर है, वह एक परमेश्वर है जो माफ़ करता है, वह एक परमेश्वर है जो क्षमा करता है, वह एक परमेश्वर है जो किसी भी और हर प्रकार के पाप से हमें बचाता है। यह लिखा गया है भजन संहिता ८६रू५ में क्योंकि हे प्रभु, तू भला है और क्षमा करने को तत्पर रहता है, और जितने तुझे पुकारते हैं उन सब के लिए तू अति करूणामय है। हमारा परमेश्वर एक अच्छा परमेश्वर है, माफ़ करने के लिए तैयार है और उसकी दया प्रचुर मात्रा में है उन सभी लोगों पर जो उसे पुकारते हैं। यह येशु इस दुनिया में आने से पहले भी लिखा गया एक भजन है और उसकी गुणवत्ता बहुत स्पष्ट रूप से इस भजन में वर्णित किया गया है। जब हम क्रूस पर देखते हैं जब येशु क्रूस पर चढ़ाया गया था यह वही गुणवत्ता है। वह एक अच्छा परमेश्वर है और यहां तक कि उसकी मृत्यु के समय पर भी दयालु रहा, वह तुम्हारे और मेरे लिए अपने पिता से बिनती करता है और कहता है श्हे पिता, इन्हें क्षमा कर, क्योंकि ये नहीं जानते कि क्या कर रहे हैं।श उस समय को लोगों ने येशु के इन गुणों को पहचाना नहीं वे उसे बिल्कुल नहीं जानते थे। एक परमेश्वर जिसने कभी पाप नहीं किया, लूटा नहीं, झूठ नहीं बोला, एक गलती नहीं की, व्यभिचार नहीं किया, उसमें कोई पाप नहीं था। यहां तक कि उसके खिलाफ़ जिन्होंने धिककारा, उसने उन्हें उलटा नहीं धिककारा। एक ऐसा परमेश्वर न्याय के लिए पिलातुस के पास ले जाया गया था। पिलातुस बदले में जब वह येषु में कोई गलती नहीं पाता है, सारा जांच पड़ताल के बाद, उसके हाथ धोता है। भले पिलातुस जानता था कि येशु में कोई गलती नहीं थी और वह निदीष था फिर भी वह उसे बचाने के लिए आगे नहीं आया। बल्कि उसने उसके हाथ धो लिए। हम पढ़ते हैं लूका २३रू१४–२५ – और उसने कहा, ष्तुम मेरे

पास इस मनुष्य को विद्रोह करने के लिए भड़काने वाला कहकर लाए हो, और देखों, तुम्हारे समक्ष इस मनुष्य को जांचने पर मैंने इस पर उन बातों का कोई अपराध नहीं पाया जिनका तुम दोष लगाते हो; न हेरोदेस ने, क्योंकि उसने उसे हमारे पास लौटा दिया है। अब देखो, इसने मृत्यु–दण्ड के योग्य कोई कार्य नहीं किया है। ख्पर्व के दिन पिलातुस को उनके लिए एक कैदी को छोड़ना पड़ता था।, परन्तु वे एक साथ चिल्ला उठे, ष्इस मनुष्य का काम तमाम कर और हमारे लिए बरअब्बा को छोड़ दे!ष यह वही था जो नगर में बलवा कराने और हत्या के अपराध में बन्दीगृह में डाला गया था– पिलातुस ने येशु को छोड़ने की इच्छा से लोगों को फिर समझाया, परन्तु वे यह कहते हुए चिल्लाते रहेः ष्उसे क्रूस पर चढ़ा, क्रूस पर!ष तब उसने तीसरी बार उनसे कहा, ष्क्यों? इस मनुष्य ने क्या बुराई की है? मैंने इसमें मृत्यु–दण्ड के योग्य कोई अपराध नहीं पाया। अतः मैं उसे ताड़ना देकर छोड़ दूँगा।ष परन्तु वे ऊँची आवाज़ से चिल्ला–चिल्लाकर पीछे पड़ गए कि वह क्रूस पर चढ़ाया जाए। और उनके चिल्लाने का प्रभाव बढ़ने लगा। पिलातुस ने निर्णय किया कि उनकी मांग पूरी की जाए। तब उसने उस मनुष्य को जो बलवा और अपराध के कारण बन्दी बनाया गया था उनकी मांग के अनुसार मुक्त कर दिया; परन्तु येशु को उनकी इच्छा पर छोड़ दियज्ञं येषु के खिलाफ़ सभी जांच करने के बाद पिलातुस लोगों को बताया ष्मैंने कोई गलती और दोष उसमें नहीं पाया, इस प्रकार मैं उस से मेरे हाथ धो लेता हूँ।ष पिलातुस जानता था कि सरासर ई र्ष्या के कारण लोग येशु को क्रूस पर चढ़ाना चाहते थे। यहां तक कि उसके बाद भी, उसने येशु को नहीं बचाया बल्कि न्याय के लिए उसे लोगों को सौंप दिया। हम देखें कि पिलातुस की पत्नी ने उस से क्या कहा मत्ती २७रू१९ में – और जब वह न्याय–आसन पर बैठा तो उसकी पत्नी ने उसे कहला भेजा, ष्इस धर्मी मनुष्य के मामले में हाथ न डालना, क्योंकि आज रात को मैंने स्वप्न में उसके कारण बहुत दुख उठाया है।ष परमेश्वर, पिलातुस के सपने में आकर उसे सीधा सूचित कर सकता था, लेकिन नहीं, परमेश्वर पिलातुस की पत्नी से बात करना चुना और बदले में उसने पिलातुस से कहा ष्इस धर्मी मनुष्य के मामले में हाथ न डालना, क्योंकि आज रात को मैंने स्वप्न में उसके कारण बहुत दुख उठाया है।ष हमारे जीवन में भी, कई बार, कुछ लोग हैं जो गलती करते हैं, लेकिन कुछ दूसरें हैं जो इसके कारण पीड़ित हैं। कई बार, परमेश्वर हमारे गलत हरकतों को हमें नहीं, परन्तु औरों को बताता है। इसलिए, हम हमारा परमेश्वर क्या करता है, सवाल नहीं कर सकते, वह किस से बोलता है और वह एक स्थिति को कैसे संभालता है। कोई भी परमेश्वर से सवाल नहीं कर सकता है। हम पढ़े लूका

२३रू१५ में – न हेरोदेस ने, क्योंकि उसने उसे हमारे पास लौटा दिया है। अब देखो, इसने मृत्यु–दण्ड के योग्य कोई कार्य नहीं किया है। पिलातुस लोगों से कहता है, मैंने येशु को हेरोदेस के पास भी भेजा था लेकिन उसे भी कोई गलती नहीं मिला उसे दण्ड देने के लिए। यहां तक कि हेरोदेस भी येशु के साथ कोई गलती नहीं पाता है। यदि लोगों का मानना था कि येषु मसीह को हमारे लिए दुनिया में भेजा गया था, वे पीलातुस से कभी नहीं कहते कि बरअब्बा को छोड़ो और येशु को क्रूस पर डालो। बरअब्बा एक चोर था, और यदि लोग सच्चाई को जानते, वें कभी बरअब्बा को छोड़कर, येशु को क्रूस पर डालने को कभी नहीं कहते। लोगों को पता नहीं था कि येशु मसीह इस दुनिया में आया, हमें प्यार करने के लिए, पिता परमेश्वर के साथ हमें पुनर्मिलन कराने के लिए और हमारे पापों से हमें अलग करने के लिए। पतरस कहता है प्रेरितों के काम ३रू१७ में – ष्अब हे भाइयो, मैं जानता हूं कि तुमने यह काम अज्ञानतावश किया और वैसा ही तुम्हारे अधिकारियों ने भी किया। लोगों ने अज्ञानता के कारण येशु को क्रूस पर चढ़ाया, जिस प्रकार से उनके शासकों ने भी किया। लेकिन येशु के लहूँ ने हर किसी को छुड़ाया है, उन्हें भी जिन्होंने उसे गालियाँ दी। हम पढ़ें यूहन्ना १९रू३४ – परन्तु सैनिकों में से एक ने भाले से उसका पंजर बेधा, और तुरन्त उसमें से लहू और पानी बह निकला। जब सैनिक ने ऐसा किया तब पानी और रक्त येशु के बगल से बह निकला। पानी क्या दर्शाता है? यह प्रतीक है कि येशु जीवित जल है। यूहन्ना ७रू३८–३९ – जो मुझ पर विश्वास करता है, जैसा कि पवित्रशास्त्र में कहा गया है, ष्उसके हृदय में से जीवन के जल की नदिया बह निकलेंगीष्। परन्तु यह उसने पवित्र आत्मा के विषय में कहा, जिसे उस पर विश्वास करने वाले पाने पर थे, इसलिए कि पवित्र आत्मा अब तक नहीं दिया गया था, क्योंकि येशु अब तक महिमा में नहीं पहुंचा था। यहां पानी की तुलना पवित्र आत्मा से किया गया है। इसी जीवित जल के द्वारा येशु ने उसका प्यार हमें दिया हैं। इफिसियों १रू७ – हमें, उसमें, उसके लहू के द्वारा छुटकारा, अर्थात् हमारे अपराधों की क्षमा, उसके अनुग्रह के धन के अनुसार मिली है। जब हम पाप करते हैं, हमारे विवेक को इसके बारे में पता होता है, येशु भी हमारे पाप को जानता है और एक और व्यक्ति भी है जो हमारे पापों को जानता है यानी दुष्ट। यह बहुत महत्वपूर्ण है और हमें यह हमेशा याद रखना चाहिए। पुराने समय में, सब पापों से बड़कर पाप व्यभिचार था। पुराने दिनों की विधी निर्गमन २०रू१४ में कहता है – ष्तू व्यभिचार न करना।ष् अगर हमने पाप किया है और व्यभिचार किया है, तो इसके लिए दंड क्या है? हम पढ़े व्यवस्थाविवरण २२रू२२ – ष्यदि कोई पुरूष दूसरे पुरूष की विवाहिता स्त्री के

साथ सोता हुआ पकड़ा जाए तो जो पुरूष उस स्त्री के साथ सोया था उसे और उस स्त्री, दोनों को मार डाला जाए । इस प्रकार तू इस बुराई को इस्राएल में से मिटा डालना। जोड़े को पत्थरवाह करके मार डालना था। यह पुरुषों को खुद पर लाई गई एक बड़ी सज़ा थी। जो कोई भी यह पाप करता, चाहे यह याजक के बच्चे होते या आम लोग, सभी को एक ही सज़ा का सामना करना पड़ता। हम पढ़े लैव्यव्यवस्था २१रू९ – और यदि किसी याजक की पुत्री वेश्या बन कर अपने आपको अपवित्र करे तो वह अपने पिता को भी अपवित्र ठहराती है, वह आग में जलाई जाए। इस गंभीर सज़ा को पुराने दिनों में इस्राएलियों द्वारा प्रयोग किया जाता था। पर हम देखते हैं, यहां तक कि इस से भी एक बड़ी सज़ा अनंत काल में है, जैसे प्रकाशितवाक्य २१रू८ – परन्तु डरपोकों, अविश्वासियों, घृणितों, हत्यारों, व्यिचारियों, जादूगरों, मूर्तिपूजकों और सब झूठों का भाग उस झील में होगा जो आग और गंधक से जलती रहती है। यह दूसरी मृत्यु है।ष लेकिन हम मनुष्य सोचते है कि हमारा पाप किसी ने नहीं देखा है। हम इन पापों में से कोई भी पाप किए हो सकते है और हमें सावधान रहना चाहिए क्योंकि हमारा परमेश्वर हमारे पापों को देखता है और दुष्ट भी हमारे पापों को देखता है। इसी तरह, हम पवित्र शास्त्र में देखते हैं लोग व्यभिचार के कार्य में पकड़ी गई एक औरत को येशु के पास लाते हैं। हमें पुराने समय में व्यभिचार के लिए क्या सज़ा है, पता है। फिर भी इस औरत को अकेले लाया गया था और आदमी को छोड़ दिया गया था। इसलिए यह, विधी की आज्ञा के अनुसार नहीं था। येषु ने इस औरत को देखा और जाना कि लोग उसे उसका न्याय करने के लिए चाहते थे। परमेश्वर, हर किसी के बारे में जानता है, इसलिए हम उस से छिप नहीं सकते हैं; हालांकि, हमें लगता है कि किसी ने देखा नहीं हैं, येशु की दृष्टि से कुछ भी छिपा नहीं है। येशु कहता हैं, ष्तुम में से जिसने पाप नहीं किया है, पहले इस औरत पर पत्थर मारेष्। यह सुनकर, लोगों के विवेक ने उन्हें दोषी ठहराया और उनमें से सभी ने उस जगह को एक–एक करके छोड़ दिया। हम पढ़ें यूहन्ना ८रू७ – परन्तु जब वे बार बार उस से पूछते रहे, तो उसने सीधे खड़े होकर उनसे कहा, ष्तुम में जो निष्पाप हो, वही सब से पहिले उसे पत्थर मारे।ष हमारा येशु हमारे पापों को खुले में बताने के लिए नहीं आया है और वह हमें निंदा करने के लिए नहीं आया है। लेकिन लोगों के ज़ोर देने के बाद और येशु से बार–बार पूछने के कारण उसे मजबूर होकर जवाब देना पड़ा, ष्तुम में से जिसने पाप नहीं किया है, पहले इस औरत पर पत्थर मारेष्। इसलिए, येशु ने उसके चेहरे का ध्यान ज़मीन पर केंद्रित किया और वह उनकी ओर देखा भी नहीं, क्योंकि

वह जानता था, सभी दोषी थे। आज भी हमारा परमेश्वर एक न बदलने वाला येशु है, वह आप के लिए और मेरे लिए मध्यस्थी करता है यह कहकर की ‘पिता इन्हें क्षमा कर क्योंकि यें जानते नहीं कि यें क्या कर रहे हैं’। हम उन्हें’ शब्द की स्थान पर हमारे स्वयं के नाम को रखे और क्रूस की ओर देखें जहाँ येशु क्रूस पर चढ़ाया गया था; हम महसूस करेंगे, कि मेरे लिए येशु अपने पिता परमेश्वर से प्रार्थना कर रहा है।

हमारा विवेक, हमसे बात करना चाहिए, क्योंकि हमारा परमेश्वर एक दयालु और अनुग्रहकारी परमेश्वर है, वह आज भी हमारे पापों से हमें मुक्ति देने के लिए तैयार है। यह एक और गुड फ्राइडे न हो जो हम मना रहे हैं, आओं हम सत्य और विश्वास में उसके पास आए यह जानकर कि वह हमारे पापों को माफ़ कर देगा अगर हम आज भी हमारे पाप कबूल करने के लिए तैयार हैं। यूहन्ना ८रू९– जब उन्होंने यह सुना, तो पहिले वृद्ध तब एक एक करके सब जाने लगे, और वह अकेला रह गया, और स्त्री वहीं बीच में खड़ी रह गई। येशु की आवाज़ सुनकर, सभी लोग एक–एक करके छोड़कर चले गए, और केवल व्यभिचारिणी महिला उसके साथ पीछे छोड़ दी गई। हम देखते हैं कि कैसे येशु उस औरत को अपना फैसला देता है और उस से कहता है, ‘चली जा, और फिर पाप न करना’ हमारे सभी पाप, छोटे या बड़े परमेश्वर के सामने नंगे हो जाते हैं, लेकिन हमारा विवेक आज जीवित होना चाहिए परमेश्वर कि अनुग्रह प्राप्त करने के लिए इसलिए कि हमें अपने पापों से मुक्ति मिले।

पतरस प्रेरितों के काम २रू३७ में कहता है – उन्होंने जब यह सुना तो उनके हृदय छिद गए और वे पतरस तथा अन्य प्रेरितो से पूछने लगे, ‘भाइयो, हम क्या करे?’ जब पतरस ने येशु के बारे में लोगों से प्रचार किया और जब उन्होंने प्रचार किए हुए वचन कि किस तरह से उन्होंने येशु को इनकार किया और उसे क्रूस पर चढ़या उनके विवेक ने उन्हें तुरंत दोषी ठहराया और उन्होंने पतरस से पूछा ‘हमें क्या करना चाहिए?’ इन लोगों की तरह, हमारा विवेक भी आज हम से बात करना चाहिए; हमारा भी यही सवाल होना चाहिए, ‘हमें क्या करना चाहिए? कैसे हम इस पाप से बाहर आ सकते हैं? हमें क्या करना चाहिए ताकि हम आज हमारे पापों से वितरित किए जा सके? परमेश्वर, तुरंत उसके रक्त के साथ हमें धो देगा, क्योंकि हमारे परमेश्वर के खून में शक्ति है, उस में आश्चर्य काम करने की शक्ति है। हमें यह महत्वपूर्ण है कि अपने आप को आज यह सवाल पूछे। हमें पता है कि पाप की मजदूरी मृत्यु है, फिर भी यहूदा इस्करियोती ने यह सवाल नहीं पूछा, अब मुझे क्या करना चाहिए कि मैंने येशु को धोखा दिया है? मैं इस पाप से कैसे बाहर आ

सकता हूँ? बल्कि, उसने जाकर चांदी के सिक्कों को उन लोगों के सामने फेंक दिया जिन्होंने उसे दिया था और फिर चला गया और आत्महत्या कर ली। यहूदा येशु मसीह के सामने एक पछतावा का दिल लेकर नहीं आया था। जब की वचन कहता हैं कि जब हम पाप करते हैं पाप की मजदूरी मृत्यु है; जब हम एक पछतावा के दिल के साथ परमेश्वर के पास जाते हैं और यह सवाल के साथ, ष्मैं क्या करूँ? मैं इस पाप से कैसे बाहर आ सकते हूँ? हमारा परमेश्वर येशु आज भी हमें मुक्ति देने के लिए तैयार है।

हम देखते हैं कि पवित्र पुस्तक में लिखा हर शब्द येशु मसीह के जन्म से पहले था, और यह क्रूस पर, बहुत बाद में पूरा किया गया था। हम पढ़ें क्या दाऊद लिखता है येशु मसीह के बारे में भजन संहिता २२रू१५ में – मेरा बल ठीकरे के समान सूख गया है, और मेरी जीभ तालू से चिपक गई है; तू मुझे मार कर मिट्टी में मिला देता है। येशु का जन्म होने से पहले दाऊद ने लिखा था कि येशु पानी के लिए तरसेगा और प्यासा होगा। हम पढ़ें यूहन्ना १९रू२८–२९ – इसके पश्चात् येशु ने यह जानकर कि सब कुछ पूरा हो चुका, इसलिए कि पवित्रशास्त्र की बात पूरी हो, कहा, ष्मैं प्यासा हूँ।ष वहां सिरके से भरा एक बर्तन रखा था, अतः उन्होंने सिरके में भिगोए हुए स्पंज को जूफे की टहनी पर रखा और उसके मुँह से लगाया। हमारे परमेश्वर एक इंसान के रूप में बहुत कष्ट उठाया अपने भौतिक रूप में क्रूस पर। हम पढ़ें लूका १२रू४९–५० – ष्मैं पृथ्वी पर आग लगाने आया हूँ और मेरी बड़ी इच्छा है कि वह अभी सुलग जाती। परन्तु मुझे एक बपतिस्मा लेना है, और जब तक वह पूरा न हो जाए मैं कैसी दुविधा में पड़ा हूँ! येशु ने पृथ्वी पर उसकी आग नीचे भेजने के लिए इच्छा किया, लेकिन येशु को यह आग जलाने के लिए अपना जीवन का बलिदान करना पड़ा और गतसमनी के बगीचे में पीड़ित होना पडा। लूका २२रू४४ – येशु व्याकुल होकर आग्रहपूर्वक प्रार्थना कर रहा था, और उसका पसीना रक्त की बूँद के समान भूमि पर गिर रहा था। क्यों येशु ने अपने शरीर को गतसमनी के बगीचे में इतना तोड़ दिया? हमारे खातिर, ताकि वह इस धरती पर आग जला सके। येशु जानता था कि इस आग को जलाने के लिए एक समय और स्थान है, यानी गतसमनी के बगीचे में। मत्ती २६रू३६ – तब येशु उनके साथ गतसमनी नामक स्थान में आया, और उसने अपने चेलों से कहा ष्जब तक मैं वहां जाकर प्रार्थना करता हूँ, तुम यहीं बैठो।ष गतसमनी के बगीचे में, श्येशु का पसीना रक्त की बूंदों में बदल गया। उस समय कि बहुत दर्दनाक और दुखद स्थिति में येशु को बंधी बनाया गया और विभिन्न स्थानों में घसीटा गया, यानी हन्ना के घर, वहां से वह बाध्य किया गया और काइफा के घर भेजा गया, फिर हेरोदेस के महल में

और अन्त में पिलातुस के घर। यूहन्ना १८रू१३,२४,२८ – और पहिले उसे हन्ना के पास ले गए, क्योंकि वह उस वर्ष के महायाजक काइफा का ससुर था। तब हन्ना ने उसे काइफा महायाजक के पास बंधा हुआ भेज दिया। और वे येशु को काइफा के पास से राजभवन में ले गए, और भोर का समय था, और उन्होंने स्वयं राजभवन में प्रवेश नहीं किया कि कहीं अशुद्ध न हो जाएं परन्तु फसह खा सकें। येशु को जगह जगह से घसीटा गया, अपने हाथ बंधे हुए एक चोर की तरह; उसे जगह जगह में फेंका गया। उन्होंने येशु का किया और एक बार फिर से उसे एक स्थान से दूसरे पर भेजा। हम पढ़ें मरकुस १५रू१५,२० – तब पिलातुस ने भीड़ को सन्तुष्ट करने की इच्छा से बरअब्बा को उनके लिए छोड़ दिया, और येशु को कोड़े लगवाकर क्रूस पर चढ़ाने के लिए सौंप दिया। जब वे उसका ठट्ठा कर चुके तो बैंजनी वस्त्र उतारकर उन्होंने उसी के कपड़े उसे पहिना दिए। और वे उसे क्रूस पर चढ़ाने के लिए बाहर ले गए। अब एक फ़ैसले को येशु के खिलाफ़ पारित किया गया कि उसे क्रूस पर चढ़ाए। येशु के कंधे पर एक बड़ा भारी क्रूस लाद दिया गया और वे उसे भारी क्रूस को खींचकर गुलगुता नामक स्थान तक चलाया। यूहन्ना १९रू१७ – इसलिए वे येशु को ले गए, और वह अपना क्रूस उठाए हए उस स्थान तक बाहर गया, जो ष्खोपड़ी का स्थानष् कहलाता है और जिसे इब्रानी में ष्गुलगुताष् कहते हैं। येशु को पूरी तरह से अपमानित किया गया और वह पूरी तरह से कमज़ोर हो गया और सूख गया था। वह क्रूस ले जाने के लिए भी बहुत कमजोर था। हम पवित्र शास्त्रों मे पढ़ें, मत्ति २७रू३२ – जब वे बाहर निकल रहे थे तो उन्हें शिमौन नामक एक कुरेनी मिला। उन्होंने उसे बेगार में पकड़ा कि उसका क्रूस उठाकर ले चले। रास्ते में वे शमौन नामक एक कुरेनी आदमी से मिले, उन्होंने उसे येशु के साथ क्रूस ले जाने के लिए मजबूर किया। हमारा येशु तुम्हारे और मेरे लिए यह सब कुछ सहा, हर अपमान, दर्द और दुख। पवित्र शास्त्र में हम कई शक्तिशाली पुरुषों के बारे में जानते है जो येशु से पहले पैदा हुए थे और येषु की तरह प्यासे थे। न्यायियों ४रू१८–१९ – तब याएल, सीसरा से भेंट करने गई और उस से बोली, ष्आ मेरे स्वामी, मेरे पास आ! मत डर।ष् तब वह उसके पास अन्दर तम्बू में गया और उसने उसे कम्बल से ढँक दिया। तब सीसरा ने उस से कहा, ष्मुझे पीने के लिए थोड़ा पानी दे, क्योंकि मैं प्यासा हूँ।ष् अतः उसने दूध की एक कुप्पी खोली और उसे पीने को दिया। फिर उसने उसे ढँक दिया। यह आदमी सीसरा वीरता का एक ताकतवर आदमी था और सैकड़ों लोगों को हराया था, लेकिन एक समय था जब वह भी बहुत थका हुआ और प्यासा था। हम शिमशोन के जीवन को देखते हैं, एक और बहादुर

आदमी, जो एक गधे के जबड़े की हड्डी से हज़ारों लोगों को मार दिया, और वह भी एक बार थक गया और प्यासा था। हम पढ़ें न्यायियों १५रू१८ – तब उसको बहुत प्यास लगी और उसने यहोवा को पुकार कर कहा, ष्तू ने अपने दास के द्वारा यह बड़ा छुटकारा कराया है और क्या अब मैं प्यासा मर जाऊँ और खतना–रहितों के हाथ में पड़ जाऊँ?ष इस प्रकार, येशु, भी प्यासा था, यह ज़रूरी है कि वह जो भौतिक रूप में था, अवश्य है कि वह भी बहुत थका हुआ और प्यासा होगा, उसने हमारे लिए सभी दर्द और दुख उठाया। लेकिन जबकि येशु क्रूस पर था, कोई भी उसकी प्यास बुझाने आगे नहीं आए।

हम पढ़ें आमोस ५रू८ – वह जिसने कृत्तिका और मृगशिरा को बनाया, और जो घोर अन्धकार को भोर में बदल देता है, जो दिन को रात्रि का अन्धकार कर देता है, जो समुद्र के जल को पुकारता है और उसे भूमि की सतह पर उण्डेल देता है, उसका नाम यहोवा है। कल्पना करो कि अगर हमारा परमेश्वर एक साल बारिश नहीं देता है, इस जमीन पर सूखा हो जाएगा। अगर वह समुद्र के पानी को लुप्त नहीं करेगा और फिर इस धरती पर बारिश नीचे नहीं डालेगा, हम सबका क्या होगा? हम सब मर जाएँगे। हमारा शक्तिशाली परमेश्वर जो रात और दिन और अंधकार और प्रकाश पैदा करता है, कलवारी के क्रूस पर प्यासा नहीं था। लेकिन लोगों ने उसे एक स्पंज खट्टा सिरका में डूबा हुआ पानी की बजाय पिलाया। याद रखें, यह सब इसलिए हुआ कि येशु मसीह के बारे में पवित्र शास्त्र में लिखी हर भविष्यवाणी पूरी हो। हम पढ़ें भजन संहिता ६९रू२१ – उन्होंने खाने के लिए मुझे इन्द्रायन दिया, और मेरी प्यास बुझाने के लिए मुझे सिरका पिलाया। मत्ति २७रू३४ – तो उन्होंने उसे पित्त मिला हुआ दाखरस पीने को दिया, परन्तु उसने चख कर पीना न चाहा। यूहन्ना कहता है, यूहन्ना १९रू२८ में – इसके पश्चात येशु ने यह जान कर कि सब कुछ पूरा हो चुका, इसलिए कि पवित्रशास्त्र की बात पूरी हो, कहा, ष्मैं प्यासा हूँ।ष शुरुआत में येशु ने कहा कि वह प्यासा नहीं था, लोगों ने जब उसे पीने के लिए सिरका दिया। लेकिन यहां उसे दिया गया हर भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए, येशु ने कहा ष्मैं प्यासा हूँ।ष पवित्र शास्त्र में लिखा हर वचन येशु के विषय में, उसने तुम्हारे लिए और मेरे लिए क्रूस पर निभाया। ऐसे महान प्राधिकरण के एक परमेश्वर को उसे क्रूस पर पीड़ित होने की क्या ज़रूरत थी? उसके पिता परमेश्वर ने उसे पीड़ित होने के लिए इस धरती पर क्यों भेजा? उसने कष्ट उठाया क्योंकि वह हमसे बहुत ज़्यादा प्यार करता था। जब तक उसने हमसे पहले प्रेम किया, हमने परमेश्वर से प्रेम नहीं किया था। यहाँ हम देखते हैं कि हमारे धर्मी परमेश्वर ने हमारे

लिए सभी दर्द और दुख का सामना किया, ताकि हम आज़ाद बनाए जाए, इसलिए कि हम से अंधकार से प्रकाश में वितरित हो जाए, ताकि हमें दुष्ट से जीत मिल जाए। आज, हम दुष्ट से डींग मार सकते हैं कि ष्मेरे परमेश्वर ने मुझ से प्यार किया है और इस तरह क्रूस पर तुम को हरा दिया हैष्। परमेश्वर के वचन के माध्यम से, हम पता कर सकते हैं कितना हमारे परमेश्वर ने हम से प्यार किया है। अंत में, येशु मसीह हमारे लिए खट्टा सिरका पीने के लिए भी तैयार थे। हम पढ़ें १ पतरस २रू२४ – उसने स्वयं अपनी ही देह में क्रूस पर हमारे पापों को उठा लिया, जिस से हम पाप के लिए मरें और धार्मिकता के लिए जीवन व्यतीत करें, क्योंकि उसके घावों से तुम स्वस्थ हुए हो। मत्ति ८रू१७ – जिससे कि जो वचन यशायाह नबी द्वारा कहा गया था वह पूरा होरूष्उसने स्वयं हमारी दुर्बलताओं को ले लिया और हमारे रोगों को उठा लिया।ष हमारे हर एक दर्द और दुख, पीड़ा और अपमान, येशु ने पहले से ही क्रूस पर ले लिया है। हमने पढ़ाँ हैं, यशायाह ५३रू४–५ में – निश्चय उसने हमारी पीड़ाओं को आप सह लिया और हमारे दुखों को उठा लिया। फिर भी हमने उसे परमेश्वर का मारा–कूटा और दुर्दशा में पड़ा हुआ समझा। परन्तु वह हमारे ही अपराधों के कारण बेधा गया, वह हमारे अधर्म के कामों के लिए कुचला गया; हमारी ही शानति के लिए कुचला गया; हमारी ही शानति के लिए उस पर ताड़ना पड़ी, उसके कोड़े खाने से हम चंगे हुए।ष हर इंसान के जीवन में दर्द और दुख नहीं होता है, लेकिन याद रखे, येशु ने इस संसार पर जय पाया है। इब्रानियों २रू१४–१५ – अतः जिस प्रकार बच्चे मांस और लहू में सहभागी हैं, तो वह आप भी उसी प्रकार उनमें सहभागी हो गया, कि मृत्यु के द्वारा उसको जिसे मृत्यु पर शक्ति मिली है, अर्थात शैतान को, शक्तिहीन कर दे, और उन्हें छुड़ा ले जो मृत्यु के भय से जीवन भर दासत्व में पड़े थे। क्या कारण है कि येषु मनुष्य के रूप में यह सब दुख और दर्द को सहन किया? हम मनुष्य के रूप में, याद रखना चाहिए, कि येशु ने पहले से ही कलवारी के क्रूस पर दुष्ट को हरा दिया है और हम सभी के जीवन के अपने भय को खत्म कर दिया है। अंत में यह कह कर कि ष्मैं प्यासा हूँष, येशु ने हमारे जीवन से सभी दर्द और दुख दूर ले लिया है। मत्ति ५रू१७ – ष्यह न समझो कि मैं व्यवस्था या नबियों की पुस्तकों को नष्ट करने नहीं, परन्तु पूर्ण करने आया हूं। हाँ, येशु पवित्र शास्त्र में हर भविष्यवाणी को पूरा करने के लिए आया है और उसके मनुष्य के रूप में हमारे रोग, बीमारी, बंधन, दर्द से जीत हासिल की है। आज, हमारे परमेश्वर ने हमें अनाथ नहीं रखा है; बल्कि वह हमें उसके प्यार के माध्यम से आशा दे दी है। हमें वचन के माध्यम से येशु मसीह में आशा और सच्चाई है। हम वचन के माध्यम से उस पर

विश्वास कर सकते हैं। मेरा परमेश्वर पर विश्वास और प्यार उतना ही है जब मैं इस सेविकाय में आई थी पहले दिन पर। क्या तुम्हारा भी परमेश्वर पर वही प्यार और विश्वास है? हर दर्द और दुख, और अकेलापन, खुशी और जीत – इन सब में मैंने अपने जीवन में पहली जगह में परमेश्वर को रखा है। हमारे जीवन में येशु का प्रेम अलग अलग तरीकों से प्रकट होगा, यही सच है और हमें यह समझ लेना चाहिए। आज सिर्फ़ एक और गुड फ्राइडे नहीं होना चाहिए। हाँ, हमें विश्वास करना चाहिए कि येशु मसीह अपने पिता परमेश्वर के पास विनती कर रहा है ष्मेरे लिए और मेरे पापों के लिए।ष येशु मेरे पापों और दर्द से मुझे मुक्ति देने के लिए पिता से निवेदन कर रहा है। वह मेरे जीवन में अंधकार को खत्म करना चाहता है और मुझे प्रकाश मे लाएगा। हमारे हृदय के साथ हमें परमेश्वर और हमारे बीच के इस रिश्ते को पक्का करना ज़रूरी है। यह गुड फ्राइडे, वास्तव में अच्छा है, परमेश्वर चाहता है कि कोई भी अंधेरे में न रहे परन्तु प्रकाश में आए। वह हमसे खुशी से जीने के लिए चाहता है। अलग अलग तरीकों से, इस दुनिया के पाप हमारे जीवन में आता है और हमें भ्रष्ट करता है। लेकिन हम वचन को संस्मरण करे लूका २३रू३४ में – परन्तु येशु ने कहा, ष्हे पिता, इन्हें क्षमा कर, क्योंकि ये नहीं जानते कि क्या कर रहे हैं।ष और उन्होंने चिट्ठियां डालकर उसके कपड़े आपस में बांट लिए। हमारा परमेश्वर दयालु, अनुग्रहकारी है और ऐसा कोई पाप नहीं है जो उसके खून से धोया और शुद्ध नहीं किया जा सकता है। वह आज विनती कर रहा है, कि हम हमारे मामले को उसके पास लाए; वह हमारे लिए इसका समाधान करेगा। कोई आदमी हमारे जीवन में खुशियां नहीं ला सकता है। कोई आदमी हमारे दर्द, दुख और पाप से बचा नहीं सकता हैं। यह केवल येषु मसीह है जो हमें उद्धार और आज भी हमें मुक्त कर सकता हैं। कोई कानून हमें स्वतंत्रता नहीं दे सकता है, लेकिन येशु हमें वचन के सत्य अर्थों में स्वतंत्रता दे सकता हैं। हमने पवित्र शास्त्र में देखा है, कि कई लोगों के जीवन में कड़वाहट थी। जैसे हन्ना, हिजकिय्याह; अलग अलग तरीकों से उनके जीवन में कड़वाहट थी। लेकिन वे सब उनके उपचार के लिए परमेश्वर के पास गए। हन्ना और उसके पति एल्काना एक दूसरे से बहुत प्यार करते थे, लेकिन यह प्यार हन्ना के जीवन में खुशियां नहीं ला सका। उसने अंत में स्वीकार कर लिया कि केवल परमेश्वर उसका उद्धार कर सकता है। वह एक टूटे हुए हृदय के साथ परमेश्वर के सामने आती है और तब तक रोती है जब तक वह पूरी तरह से थक न गई। पवित्र शास्त्र कहता हैं कि ष्उस दिन के बाद से हन्ना उसके जीवन में कभी नहीं रोई। इस दुनिया का प्रेम झूठा है; हम परमेश्वर के प्रेम को यह दुनिया जो प्यार

प्रदान करता है उसके साथ विनिमय कभी नहीं कर सकते हैं। हमें इस दुनिया से कुछ भी नहीं मिल सकता है। हिजकिय्याह, एक राजा था, उसके जीवन में कुछ भी कमी नहीं था। एक बार, उसके शरीर में एक ग्रंथि दिया गया था, यह बहुत ही दर्दनाक था, और कोई दवा उसे चंगा नहीं कर सका। नबी यहेजकेल ने उस से कहा, ष्तुम्हारा अंत निकट है, ष्तैयार हो जाओष्। लेकिन हिजकिय्याह प्रभु परमेश्वर को दोहाई दी और वही परमेश्वर ने उसकी प्रार्थना सुन ली और उसके जीवन को अधिक १५ वर्षों से बढ़ाया। हाँ, आज हमारा परमेश्वर निवेदन और हमारे लिए पिता परमेश्वर के पास प्रार्थना कर रहा है। ष्पिता, इन्हें क्षमा कर, क्योंकि ये नहीं जानते कि क्या कर रहे है।ष हमारे परमेश्वर, छह घंटे के लिए क्रूस पर दुख उठाया, उन सभी छह घंटे में वह तुम्हारे और मेरे लिए एक ही प्रार्थना कर रहा था। क्या हमारे जीवन में इस की तुलना में अधिक प्यार हो सकता है? येशु मसीह का अपमान और हमारे खातिर बलिदान का इस दुनिया में और किस से भी तुलना नहीं की जा सकती है। यह सब येषु ने किया कि हम इस धरती पर एक सम्मानजनक जीवन जी सके। हम देखते हैं कि यह महान कड़वाहट नबी यिर्मयाह के जीवन में भी था। वह परमेश्वर के वचन सुनाता और इस्राएलियों को सही करता, ताकि वे पाप से उनके जीवन को अलग कर सके। लेकिन इस्राएलियाँ उससे नफ़रत करते थे और उसके साथ नाराज़ थे। हम पढ़ें विलापगीत ३रू१५ – उसने मुझे दुख से भर दिया है, उसने मुझे नागदौना से छका दिया है। यिर्मयाह यहाँ महान दुःख के साथ बोलता है। हमें यह पता है कि यह ईर्ष्या थी जिसके कारण येशु को क्रूस पर चढ़ाया गया। हम पढ़ें लूका २३रू५ – परन्तु वे यह कहकर दबाव डालते रहे कि वह गलील से लेकर समस्त यहूदिया में शिक्षा दे दे कर लोगों को भड़काता है, यहां तक कि इस स्थान में भी। लोग और दुष्ट को येशु से जलन क्यों हो रही थी? क्योंकि वह सच्चाई से परमेश्वर का वचन प्रचार और सिखाया करता था, इस प्रकार उन्होंने सोचा कि येषु लोगों को उकसाया करता था। इसलिए लोगों ने येशु को क्रूस पर चढ़ाया और डाकू बरअब्बा को रिहा किया। येशु ने प्रेरितों के काम १रू८ में कहा – परन्तु जब पवित्र आत्मा तुम पर आएगा तब तुम सामर्थ्य पाओगे, और यरूशलेम, सारे यहूदिया और सामरिया में, यहां तक कि पृथ्वी के छोर तक तुम मेरे साक्षी होगे।ष **मत्ती १०रू१६–२८** में येशु ने पहले से ही लोगों से सावधान रहने के लिए हमें चेतावनी दी थी। येषु ने हमारे लिए उसके द्वारा दी गई हर भविष्यवाणी और वादा को निभाया। जब इस्राएलियों को बंधन से बाहर लाया गया, परमेश्वर ने उन्हें मिस्त्रियों के हाथ से छुड़ाया। परमेश्वर ने उन्हें मूसा के रूप में एक उद्धारकर्ता प्रदान

की; परमेश्वर ने जंगल में उनके सभी जरूरतों का ख्याल रखा। वह दिन में बादल का खम्भे था रात को आग का स्तंभ। उसने उन्हें मन्ना खिलाया ताकि वे मजबूत हो सके आगे गंभीर चुनौतियों का सामना करने के लिए। एक बार इस्राएली लोग बहुत प्यासे थे, उन्हें पीने के लिए पानी नहीं मिला और उन्होंने मूसा और हारून के खिलाफ़ बड़बड़ाना शुरू कर दिया। मूसा परमेश्वर के सामने नीचे झुका और अपने लोगों के लिए पानी के लिए प्रार्थना की। हम पढ़ें निर्गमन १५रू२३–२६ – और जब वे मारा में पहुँचे तो वे वहां का पानी न पी सके क्योंकि वह कड़वा थाः इसलिए उसका नाम मारा पड़ा। अतः लोग मूसा के विरूद्ध कुड़कुड़ा कर कहने लगे, ष्हम क्या पीए?ष तब उसने यहोवा की दुहाई दी और यहोवा ने उसे एक वृक्ष दिखलाया। उसने उसे पानी में डाल दिया और पानी मीठा हो गया। वहां यहोवा ने उनके लिए एक विधि और नियम ठहराया; और वहीं उसने उनकी परीक्षा की। और उसने कहा, ष्यदि तू अपने यहोवा परमेश्वर की वाणी ध्यानपूर्वक सुने और जो कार्य मेरी दृष्टि में ठीक है उसे करे, मेरी आज्ञाओं पर कान लगाए और मेरी सब विधियों का पालन करे, तो जितने रोग मैंने मिस्रियों पर भेजे थे, उनमें से एक भी तुझ पर न भेजूँगा, क्योंकि मैं यहोवा तुम्हारा चंगा करने वाला हूँ।ष प्रभु परमेश्वर ने पानी से कड़वाहट हटाया और उन्हें मीठा पानी पीने के लिए दिया। वह वही परमेश्वर है जिसने उन्हें आज्ञा दी पालन करने के लिए। उसने कहा, ष्अगर तुम लगन से मेरी आज्ञाओं को ध्यान दो और मेरी सब विधियों को रखोगे, मैं तुम पर ऐसी कोई भी बीमारी तुम पर नहीं डालूँगा जो मैंने मिस्रियों पर लाया था...क्योंकि मैं वो परमेश्वर हूँ जो तुम्हें चंगा करता है। लेकिन एक बार भी इस्राएलियों का परमेश्वर की ओर कृतज्ञता का एक दिल नहीं था; वे अपने जीवन में उसके महान कामों के लिए परमेश्वर को धन्यवाद कभी नहीं दिया। हम पढ़ें व्यवस्थाविवरण २रू७ – क्योंकि तुम्हारे परमेश्वर यहोवा ने तुम्हारे हाथ के सब कामों पर आशिष दी है। इस विशाल जंगल में तुम्हारी यात्रा उसके सामने प्रकट है। इन चालीस वर्षों में तुम्हारा परमेश्वर यहोवा तुम्हारे साथ रहा है, तथा तुम्हें किसी भी वस्तु की घटी नहीं हुई है। परमेश्वर लगातार इस्राएलियों के कार्यों को आशीष दी लेकिन इसके बदले में उन्होंने परमेश्वर को इसके लिए धन्यवाद कभी नहीं दिया। गिनती २०रू१–१२। यह इस्त्राएलियों की बुड़बुड़ाना और कराहना है और उनके अकृतज्ञ दिल जिसकी वजह से वे सभी जंगल में मारे गए वादा के देश में पहुंचने से पहले। परमेश्वर ने मूसा से वचन १२ में कहा – परन्तु यहोवा ने मूसा और हारून से कहा, ष्क्योंकि तुमने मुझ पर विश्वास नहीं किया और मुझे इस्राएलियों की दृष्टि में पवित्र नहीं ठहराया इसलिए तुम इस प्रजा को

उस देश में न पहुंचा पाओगे जिसे मैंने उन्हें दिया है।ष हम जानते है कि कितने लोग वादा किया कनान भूमि पर पहुंच पाए – केवल कालेब और यहोशू। हारून कि मृत्यु पहले हो गई और मूसा कि मृत्यु यात्रा के अंत में हो गई। हमें पता है नबी एलिय्याह और मूसा स्वर्ग में थे येशु को लेने के लिए जब वह स्वर्ग में चढ़ा। हम इसके बारे में मत्ति १७ में पढ़ सकते है। लेकिन इस्राएलियों के अविश्वास के कारण, परमेश्वर ने उन्हें शाप दिया और मूसा से कहा कि इस कलिसियाँ में से कोई भी वादा किया देश तक नहीं पहुंच पाएगा। यह हमारे लिए आज एक चेतावनी है, क्योंकि हम परमेश्वर के चुने कलिसियाँ हैं; अगर हम में से किसी को परमेश्वर में शंका या संदेह है, हमें सावधान रहना होगा और पढ़ना होगा गिनती २०रू१२ – परन्तु यहोवा ने मूसा और हारून से कहा, ष्क्योंकि तुमने मुझ पर विश्वास नहीं किया और मुझे इस्राएलियों की दृष्टि में पवित्र नहीं ठहराया इसलिए तुम इस प्रजा को उस देश में न पहंचा पाओगे जिसे मैंने उन्हें दिया है।ष हम नियमित रूप से कलिसियाँ में भाग लेते होंगे, और कई गुड फ्राइडे और ईस्टर सेवाए में भी, लेकिन अगर हमारा अविश्वास जारी है और क्योंकि हम हमारे अविश्वास के कारण अपरिवर्तित ही रहेंगे, एक दिन, परमेश्वर हमसे कहेगा ष्मैं तुम्हें नहीं जानताष। कल्पना करो वह दिन हमारे जीवन में कैसा दर्दनाक होगा? हमें अपने पापों में जारी नहीं रहना चाहिए बल्कि उन्हें परमेश्वर को कबूल करके और हमारे पापों से छूट मिलना चाहिए। आज परमेश्वर ने हमें एक और मौका दिया है हमारे पापों को उसके हाथ में देने के लिए और उन्हें उस के पास कबूल करने के लिए। हम एक बार फिर पढ़ें वचन लूका २३रू३४ – परन्तु येशु ने कहा, ष्हे पिता, इन्हें क्षमा कर, क्योंकि ये नहीं जानते कि क्या कर रहे है।ष और उन्होंने चिट्ठियां डालकर उसके कपड़े आपस में बांट लिए। ष्उनष शब्द की जगह पर हम हमारे नाम रखे और निश्चित रूप से प्रभु परमेश्वर आज हमारे जीवन में अद्भुत काम करेगा।

यह संदेश हम प्रत्येक के जीवन में आशिष लाए! हैप्पी ईस्टर!

पास्टर सरोजा म.